

Amit

ॐ गं गणपतये नमः

शुभ



लाभ



जन्मपत्रिका

**Amit**

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**

**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित हैं। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं हैं।

# Amit

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: **01/01/2000**  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: **09:56:00** घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 06:50:24 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: **Mumbai**  
राज्य \_\_\_\_\_: Maharashtra  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 18:58:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 72:50:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:38:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 09:17:20 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:03:12 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 15:57:56 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:11:50 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:12:07 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:00:17 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 16:11:40 धनु  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 28:18:11 मकर

अवकहड़ा चक्र  
लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मकर – शनि  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: तुला – शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: स्वाति – 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: राहु  
योग \_\_\_\_\_: सुकर्मा  
करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: महिष  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: रो-रोहित  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र – रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मकर

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

Amit

## पंचांग

दादा का नाम \_\_\_\_\_:  
पिता का नाम \_\_\_\_\_:  
माता का नाम \_\_\_\_\_:  
जाति \_\_\_\_\_:  
गोत्र \_\_\_\_\_:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि / प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1921	पौष	11
पंजाबी	संवत : 2056	पौष	17
बंगाली	सन् : 1406	पौष	16
तमिल	संवत : 2056	मार्गड़ी	17
केरल	कोल्लम : 1175	धनु	17
नेपाली	संवत : 2056	पौष	17
चैत्रादि	संवत : 2056	पौष	कृष्ण 10
कार्तिकादि	संवत : 2056	मार्गशीर्ष	कृष्ण 10

### पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि \_\_\_\_\_: 10  
तिथि समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 11:03:58  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 10  
सूर्योदय कालीन नक्षत्र \_\_\_\_\_: स्वाति  
नक्षत्र समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 18:33:26 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_: स्वाति  
सूर्योदय कालीन योग \_\_\_\_\_: सुकर्मा  
योग समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 12:37:23 घंटे  
जन्म योग \_\_\_\_\_: सुकर्मा  
सूर्योदय कालीन करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
करण समाप्ति काल \_\_\_\_\_: 11:03:58 घंटे  
जन्म करण \_\_\_\_\_: विष्टि  
भयात \_\_\_\_\_: 44:30:56  
भभोग \_\_\_\_\_: 66:04:29  
भोग्य दशा काल \_\_\_\_\_: राहु 5 वर्ष 10 मा 3 दि

### घात चक्र

मास \_\_\_\_\_: माघ  
तिथि \_\_\_\_\_: 4-9-14  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
नक्षत्र \_\_\_\_\_: शतभिषा  
योग \_\_\_\_\_: शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
प्रहर \_\_\_\_\_: 4  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
लग्न \_\_\_\_\_: कन्या  
सूर्य \_\_\_\_\_: कन्या  
चन्द्र \_\_\_\_\_: धनु  
मंगल \_\_\_\_\_: तुला  
बुध \_\_\_\_\_: कर्क  
गुरु \_\_\_\_\_: वृश्चिक  
शुक्र \_\_\_\_\_: धनु  
शनि \_\_\_\_\_: सिंह  
राहु \_\_\_\_\_: मकर

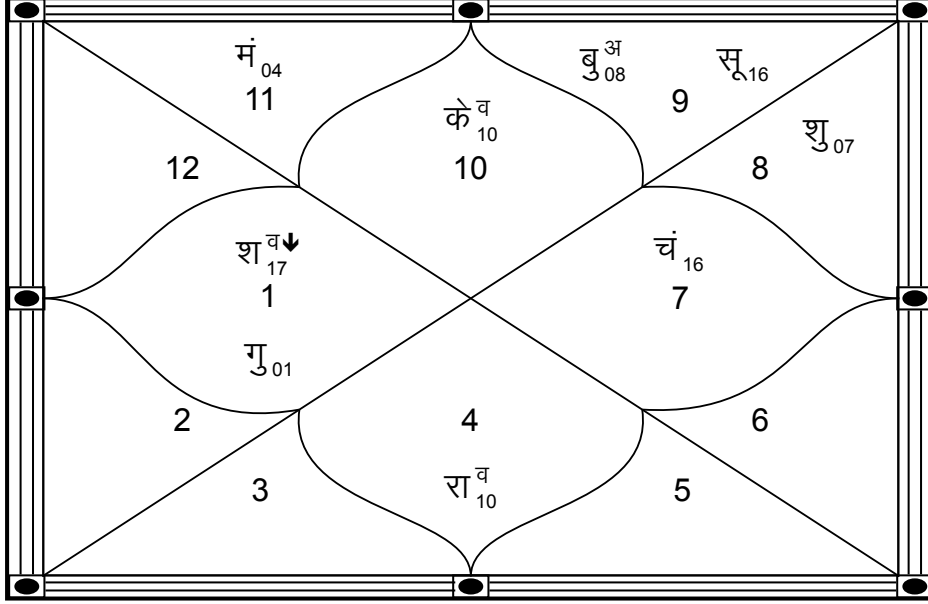
**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpujanam.com] [devpujanam@gmail.com]

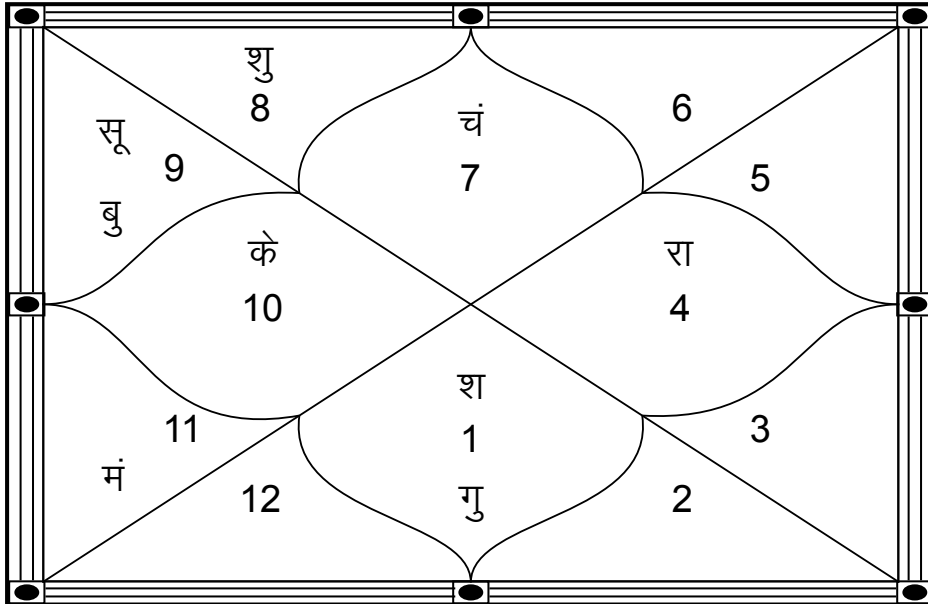
Amit

## जन्म कुण्डली

### लग्न कुण्डली



### चन्द्र कुण्डली



**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

	श <sup>व</sup> <sub>17</sub> गु <sub>01</sub>		
मं <sub>04</sub>			रा <sup>व</sup> <sub>10</sub>
के <sup>व</sup> <sub>10</sub> ल <sub>28</sub>			
बु <sup>अ</sup> <sub>08</sub> सू <sub>16</sub>	शु <sub>07</sub>	चं <sub>16</sub>	

लग्न कुण्डली

	श <sup>व</sup> <sub>17 गु<sub>01</sub></sub>		
		मं <sub>04</sub>	
रा <sup>व</sup> <sub>10</sub>		के <sup>व</sup> <sub>10</sub> ल <sub>28</sub>	
	चं <sub>16</sub>	शु <sub>07</sub>	सू <sub>16</sub> बु <sup>अ</sup> <sub>08</sub>

विंशोत्तरी  
राहु 5वर्ष 10मा 3दि  
राहु

01/01/2000  
05/11/2107

राहु	04/11/2005
गुरु	04/11/2021
शनि	03/11/2040
बुध	04/11/2057
केतु	03/11/2064
शुक्र	03/11/2084
सूर्य	04/11/2090
चन्द्र	04/11/2100
मंगल	05/11/2107

योगिनी  
पिंगला 0वर्ष 7मा 24दि  
सिद्धा

25/08/2018  
25/08/2025

सिद्धा	05/01/2020
संकटा	26/07/2021
मंगला	05/10/2021
पिंगला	24/02/2022
धान्या	25/09/2022
भ्रामरी	06/07/2023
भद्रिका	25/06/2024
उल्का	25/08/2025

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	28:18:11	421:43:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
सूर्य			धनु	16:11:40	01:01:10	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			तुला	15:40:23	12:04:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	03:51:56	00:46:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	धनु	07:32:45	01:33:17	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मेष	01:23:14	00:02:23	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	07:19:53	01:12:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि	व		मेष	16:32:56	00:01:14	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	10:06:59	00:03:04	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	10:06:59	00:03:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:56:25	00:03:01	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	09:19:43	00:02:08	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:35:26	00:02:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृश्चि	07:44:28	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	केतु	--

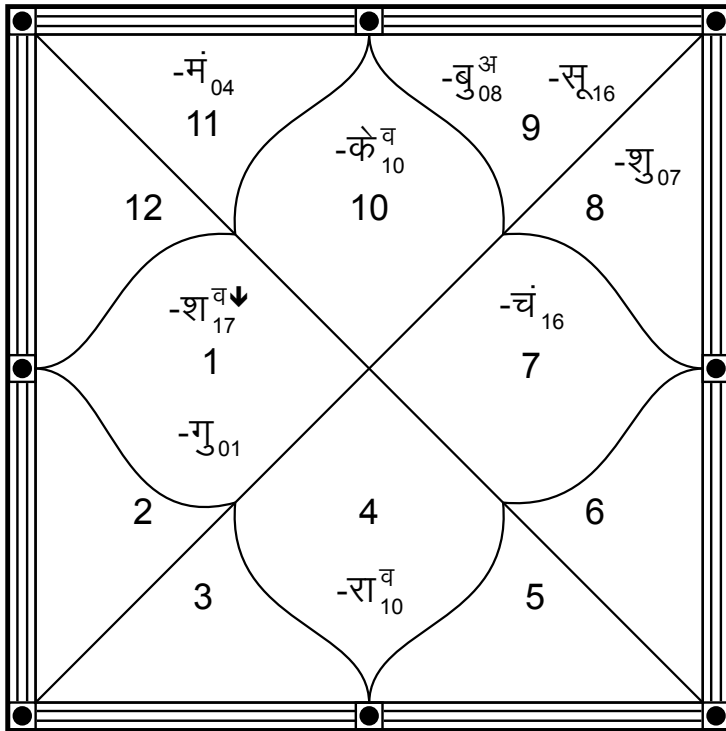
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

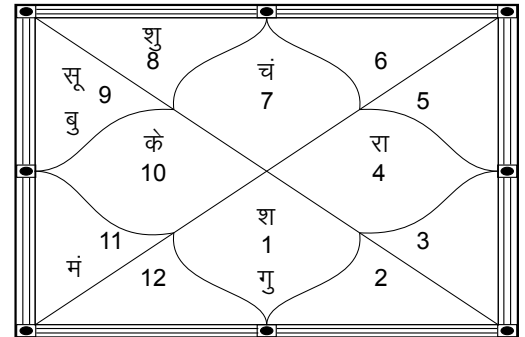
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:11

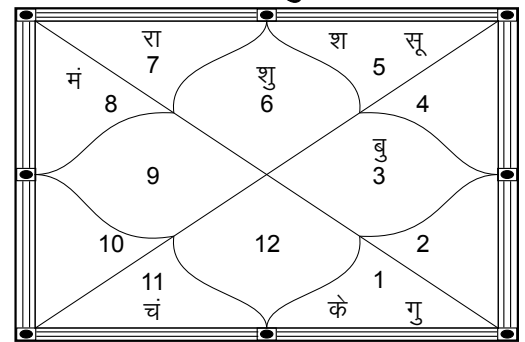
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)

+91-730-226-8898

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003

[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## चलित तथा निरयण भाव चलित

### चलित अंश

भाव	भाव संधि	भाव मध्य
1	मकर 14:52:34	मकर 28:18:11
2	कुम्भ 14:52:34	मीन 01:26:56
3	मीन 18:01:19	मेष 04:35:42
4	मेष 21:10:05	वृष 07:44:28
5	वृष 21:10:05	मिथुन 04:35:42
6	मिथुन 18:01:19	कर्क 01:26:56
7	कर्क 14:52:34	कर्क 28:18:11
8	सिंह 14:52:34	कन्या 01:26:56
9	कन्या 18:01:19	तुला 04:35:42
10	तुला 21:10:05	वृश्चिक 07:44:28
11	वृश्चिक 21:10:05	धनु 04:35:42
12	धनु 18:01:19	मकर 01:26:56

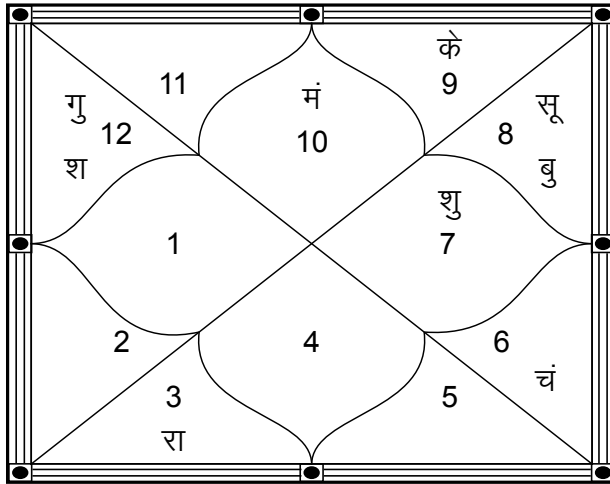
### निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	मकर	28:18:11
2	मीन	05:31:08
3	मेष	09:18:46
4	वृष	07:44:28
5	मिथुन	03:03:18
6	मिथुन	28:37:37
7	कर्क	28:18:11
8	कन्या	05:31:08
9	तुला	09:18:46
10	वृश्चिक	07:44:28
11	धनु	03:03:18
12	धनु	28:37:37

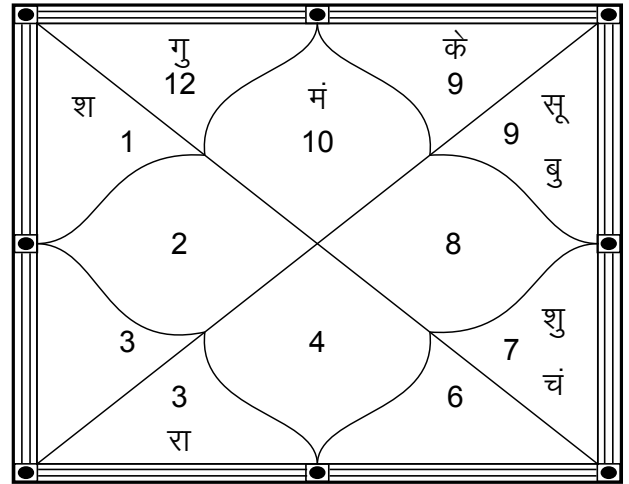
### तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

### चलित कुंडली



### भाव कुंडली



**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[\[www.devpoojanam.com\]](http://www.devpoojanam.com) [[devpoojanam@gmail.com](mailto:devpoojanam@gmail.com)]



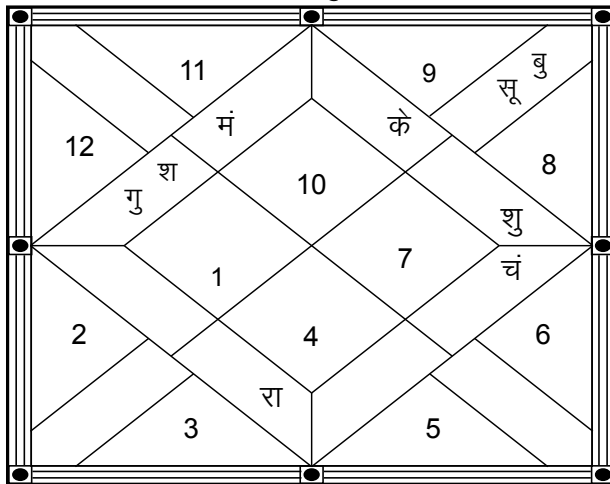
## कारक, अवस्था, रश्मि

ग्रह	कारक			अवस्था			ग्रह बल
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	
सूर्य	अमात्य	पितृ	युवा	मुदित	कौतुक	3.68	28 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	युवा	निपीदित	शयन	1.04	28 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	बाल	शान्त	शयन	5.80	61 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	कुमार	विकल	सभा	0.00	67 %
गुरु	कलत्र	धन	बाल	मुदित	निद्रा	4.48	49 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	वृद्ध	निपीदित	शयन	2.15	12 %
शनि	आत्मा	आयु	युवा	भीत	गमन	0.10	20 %
राहु	---	ज्ञान	वृद्ध	खल	कौतुक	0.00	35 %
केतु	---	मोक्ष	वृद्ध	खल	सभा	0.00	0 %
<b>कुल</b>						<b>17.25</b>	

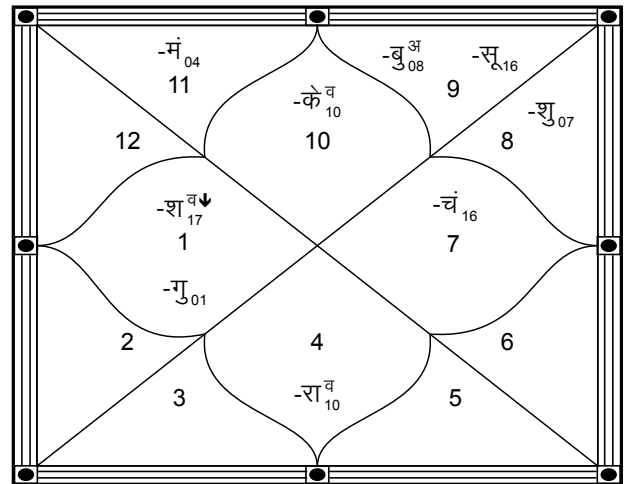
## तारा चक्र

जन्म	सम्पत्	विपत्	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

### चलित कुंडली



### लग्न-चलित



**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[\[www.devpoojanam.com\]](http://www.devpoojanam.com) [\[devpoojanam@gmail.com\]](mailto:devpoojanam@gmail.com)

## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 10 मास 3 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
01/01/2000	04/11/2005	04/11/2021	03/11/2040	04/11/2057
04/11/2005	04/11/2021	03/11/2040	04/11/2057	03/11/2064
00/00/0000	गुरु 23/12/2007	शनि 06/11/2024	बुध 02/04/2043	केतु 02/04/2058
00/00/0000	शनि 05/07/2010	बुध 17/07/2027	केतु 29/03/2044	शुक्र 02/06/2059
00/00/0000	बुध 10/10/2012	केतु 25/08/2028	शुक्र 28/01/2047	सूर्य 08/10/2059
00/00/0000	केतु 16/09/2013	शुक्र 26/10/2031	सूर्य 04/12/2047	चंद्र 08/05/2060
01/01/2000	शुक्र 17/05/2016	सूर्य 07/10/2032	चंद्र 05/05/2049	मंगल 04/10/2060
शुक्र 23/05/2002	सूर्य 05/03/2017	चंद्र 08/05/2034	मंगल 02/05/2050	राहु 22/10/2061
सूर्य 17/04/2003	चंद्र 05/07/2018	मंगल 17/06/2035	राहु 19/11/2052	गुरु 28/09/2062
चंद्र 16/10/2004	मंगल 11/06/2019	राहु 23/04/2038	गुरु 24/02/2055	शनि 07/11/2063
मंगल 04/11/2005	राहु 04/11/2021	गुरु 03/11/2040	शनि 04/11/2057	बुध 03/11/2064

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
03/11/2064	03/11/2084	04/11/2090	04/11/2100	05/11/2107
03/11/2084	04/11/2090	04/11/2100	05/11/2107	00/00/0000
शुक्र 05/03/2068	सूर्य 21/02/2085	चंद्र 04/09/2091	मंगल 02/04/2101	राहु 18/07/2110
सूर्य 05/03/2069	चंद्र 22/08/2085	मंगल 04/04/2092	राहु 21/04/2102	गुरु 11/12/2112
चंद्र 04/11/2070	मंगल 28/12/2085	राहु 04/10/2093	गुरु 28/03/2103	शनि 18/10/2115
मंगल 04/01/2072	राहु 22/11/2086	गुरु 03/02/2095	शनि 06/05/2104	बुध 06/05/2118
राहु 04/01/2075	गुरु 10/09/2087	शनि 03/09/2096	बुध 03/05/2105	केतु 25/05/2119
गुरु 04/09/2077	शनि 22/08/2088	बुध 03/02/2098	केतु 29/09/2105	शुक्र 02/01/2120
शनि 03/11/2080	बुध 29/06/2089	केतु 04/09/2098	शुक्र 29/11/2106	00/00/0000
बुध 04/09/2083	केतु 04/11/2089	शुक्र 06/05/2100	सूर्य 06/04/2107	00/00/0000
केतु 03/11/2084	शुक्र 04/11/2090	सूर्य 04/11/2100	चंद्र 05/11/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[\[www.devpoojanam.com\]](http://www.devpoojanam.com) [[devpoojanam@gmail.com](mailto:devpoojanam@gmail.com)]

## रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते हैं। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते हैं, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापों का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है –

एक मुखी – सूर्य ग्रह – स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म – विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी – चंद्र ग्रह– वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी – मंगल ग्रह– शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है।

चार मुखी – बुध ग्रह– शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि – विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी – गुरु ग्रह– शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी – शुक्र ग्रह – प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यों में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी – शनि ग्रह– शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी – राहु ग्रह– राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी – केतू ग्रह– केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी – भगवान महावीर– कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी – इंद्र ग्रह– आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी – भगवान विष्णु ग्रह– विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी – इंद्र ग्रह– सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी – शनि ग्रह– आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

### आपकी कुंडली और रुद्राक्ष

आपकी कुंडली मकर लग्न की है। आपके व्यक्तित्व पर शनि का प्रभाव दिखाई पड़ता है। आप मेहनती हैं, इसलिए बिना रुके निरन्तर कार्य करते रहते हैं, जिस कारण इनके किये हुए कार्यों में गलतियों की संभावना कम रहती है। आप दृढ़ निश्चयी और संयमी हैं। जीवन से आने वाली बाधाओं से घबराते नहीं हैं, बल्कि उनका डटकर मुकाबला करते हैं। दूसरों की मदद करने की प्रवृत्ति रखते हैं। साथ ही आप हंसमुख हैं। आप में व्यय अधिक करने का स्वभाव हो सकता है। दूसरों की मदद करने वाले होते हैं। आप हँसमुख हैं। आप कम समय में किसी भी परिस्थिति में अपने का ढालने में दक्ष होते हैं।

आप गलत बातें सहन नहीं कर पाते चाहे उस विरोध में अकेले ही रह जाये। आप

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**

**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003

[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## Amit

अपनी समझदारी और सूझ-बूझ का परिचय देते हुए बड़ी ही आसानी से अपना कार्य करवा लेते हैं। हर विषय में आपकी रूचि रहती है और हर क्षेत्र में सफलता पाना चाहे हैं और अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल कर भी लेते हैं। आप न्याय है और कभी किसी के साथ धोखा नहीं करते। असफलता मिलने पर आप शीघ्र निराश हो जाते हैं। व्यर्थ की बातें करने में अपना वक्त व्यय नहीं करते और अपने भविष्यके बारे में सोचते हैं। आप परोपकारी है और अनुशासन पसंद हैं। अपने सिद्धांतों पर जीते हैं। आप परोपकारी हैं।

कुंडली के सभी 12 भाव सदैव शुभ फल नहीं देते। 12 भावों में से 6, 8 व 12 वां भाव जिन्हें त्रिक भाव के नाम से भी जाना जाता है। इन भावों के भावेश तथा इन भावों में स्थित ग्रह अशुभ होने के कारण अशुभ फल देते हैं। त्रिक भावों के स्वामी व इनमें बैठे ग्रह किसी न किसी प्रकार आपके जीवन में बाधा डालते हैं। कुंडली के षष्ठ भाव को रोग, ऋण और शत्रु भाव की संज्ञा की जाती हैं। छोटी अवधि के रोग भी इसी भाव से देखे जाते हैं। तथा अष्टम भाव मृत्यु, दुर्घटना, कलेश, विघ्न और अकाल मृत्यु और परेशानियों का विचार किया जाता है। अष्टमेश का किसी भी भाव-भावेश से सम्बन्ध बनना अनुकूल नहीं माना जाता है। 6 व 8 भावों के बाद एक अन्य व अंतिम त्रिक भाव 12 वां भाव है। 12 वें भाव से व्यय, सरकारी दंड, लम्बी अवधि का कारावास, शयन, मोक्ष, टैक्स तथा विदेश स्थान का विचार किया जाता है।

6, 8, 12 भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता है। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं। व 6, 8, 12 भाव के स्वामी तथा इन भावों में स्थित ग्रह अपनी महादशा-अन्तर्दशा में अनिष्ट तथा अशुभ फल देते हैं।

बुध आपके षष्ठेश व नवमेश है, आपका पारिवारिक जीवन कष्टकारी हो सकता है। व्यापारिक विषयों में भी हानि के योग बन सकते हैं। इसके अलावा यह आपको शत्रुओं के द्वारा धन-हानि की संभावनाएं दे सकता है। यह योग पिता के स्वास्थ्य के पक्ष से भी शुभ नहीं है। सूर्य अष्टमेश गुरु द्वादशेश तथा तृतीयेश हैं।

सूर्य आपके द्वादश भाव में शत्रुओं की बहुलता, परन्तु शत्रुओं पर विजय, धन-धान्य से युक्त, कुशल राजनीतिज्ञ, उत्तम प्रशासक, नेत्र प्रकाश में कमी, मामा को कष्ट, और वाहनों से शारीरिक कष्ट की संभावना उत्पन्न करता है।

बुध द्वादश भाव में स्थित है, आप शत्रुओं पर बुद्धि-चतुरता से विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपको आलस्य भाव से बचना चाहिए, साथ ही कठोर वचन बोलना भी मित्र वर्ग में आपके संबंधों की मधुरता में कमी कर सकता है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 4, 5 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]

## Amit

चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती है।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है।

**Pt. Dr. Gyanendra Sharma (L.Expert-1025)**  
**+91-730-226-8898**

Dev Astro, Dev Poojanam, Bareilly, U.P., 243003  
[www.devpoojanam.com] [devpoojanam@gmail.com]